क्यों आदमी मुस्कुराता नहीं है ?

अनिल कुमार लोहानी
वैज्ञानिक स

यहाँ कोई हम को बताता नहीं है ।
कि कोई खुदा बन कर आता नहीं है ।।
हैं मंज़िल भी अपनी, हैं राहें भी अपनी ।
फिर क्यों आदमी मुस्कुराता नहीं है ?
तमाशा दिखाता है, जब वो मदारी ।
क्यों बचपन मेरा लौट आता नहीं है ?
जब दिल भी है अपना,निगाहें भी अपनी ।
मुझे इश्क है, क्यों बताता नहीं है ?
कहते हैं, दिल में लगा आईना है ।
तो क्यों उससे आँखें, मिलाता नहीं है ?